Date - 29 Jan 2022

स्वच्छता स्टार्ट-अप चुनौती

- हाल ही में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) ने 'स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 0' के तहत 'उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग' (डीपीआईआईटी) और 'फ्रांसीसी विकास एजेंसी' (एएफडी) के साथ साझेदारी में स्वच्छता स्टार्ट-अप चुनौती शुरू की।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

Yojna IAS

- अगले पांच वर्षों में 'कचरा मुक्त शहर' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 01 अक्टूबर, 2021 को SBM-U 2.0 को लॉन्च किया गया था।
- यह अपशिष्ट स्रोत और उसके पृथक्करण, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक और वायु प्रदूषण में कमी, निर्माण और विध्वंस गतिविधियों से कचरे का प्रभावी ढंग से प्रबंधन और सभी पुराने डंप साइटों के जैव-उपचार पर ध्यान केंद्रित करता है।
- इस मिशन के तहत अपशिष्ट जल को जलाशयों में छोड़ने से पहले उसका उचित उपचार किया जाएगा और सरकार इस पानी के अधिकतम पुन: उपयोग को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रही है।

परिचय:

- स्वच्छता और कचरा प्रबंधन क्षेत्र में उत्प्रेरक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए अभिनव स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए यह चुनौती शुरू की गई है।
- चुनौती चार विषयगत क्षेत्रों में समाधान आमंत्रित करती है, जिसमें (i) सामाजिक समावेश, (ii) शून्य डंप (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन), (iii) प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और (iv) डिजिटल सक्षमता के माध्यम से पारदर्शिता शामिल है।
- इसका उद्देश्य एसबीएम-यू 0 के तहत उद्यम विकास के लिए एक सक्षम वातावरण को बढ़ावा देना है।
- फ्रांसीसी विकास एजेंसी (एएफडी) 10 चयनित स्टार्ट-अप्स में से प्रत्येक को 25 लाख रुपये की सीड फंडिंग और एक साल की अनुकूलित सहायता प्रदान करेगी।
- अपने मूल में नवाचार की भावना के साथ, स्टार्ट-अप स्पेस में भारत के अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में क्रांति लाने की अपार संभावनाएं हैं।
- यह आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के अनुरूप है।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य सामाजिक रूप से प्रभावशाली और विपणन योग्य व्यावसायिक समाधानों के लिए युवा नवप्रवर्तकों को उद्यमशीलता के अवसर प्रदान करके स्टार्ट-अप आंदोलन को भुनाना है।

महत्त्व:

- यह पहल ऐसे समय में आई है जब फ्रांस और यूरोपीय संघ (ईयू) प्लास्टिक प्रदूषण पर एक वैश्विक संधि पर बातचीत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं।
- यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज स्टार्ट-अप स्पेस तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें भारत 70 से अधिक यूनिकॉर्न (1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन को पार कर) के साथ दुनिया में अग्रणी है।

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए पहल:

- 2018 में विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर, वैश्विक नेताओं ने "प्लास्टिक प्रदूषण को हराने" और प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह से समाप्त करने का संकल्प लिया।
- जी-20 देशों के पर्यावरण मंत्रियों के समूह ने वैश्विक स्तर पर समुद्री प्लास्टिक कचरे के मुद्दे से निपटने के लिए एक नया कार्यान्वयन ढांचा अपनाने पर सहमति व्यक्त की।

Yojna IAS

- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार, प्रत्येक स्थानीय निकाय प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण, संग्रह, प्रसंस्करण और निपटान के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए जिम्मेदार होना चाहिए।
- प्लास्टिक कचरा प्रबंधन (संशोधन) नियम 2018 ने विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) की अवधारणा पेश की।
- प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर एक नया राष्ट्रीय ढांचा लागू किया जा रहा है, जो निगरानी तंत्र के हिस्से के रूप में तीसरे पक्ष के ऑडिट शुरू करेगा।
- भारत प्लास्टिक समझौता सितंबर 2021 में भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) और वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) के सहयोग से प्लास्टिक को उसकी मूल्य श्रृंखला से कम करने के लिए समयबद्ध प्रतिबद्धताओं को निर्धारित करने के लिए शुरू किया गया था।

क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस)

- हाल ही में क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि आरआरटीएस लगभग 5 लाख निजी वाहनों को सड़क से हटाकर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करेगा।
- यह कॉरिडोर दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर गाजियाबाद होते हुए मेरठ (उत्तर प्रदेश) के मोदीपुरम पहुंचेगा.
- राष्ट्रीय राजधानी में अपनी तरह का पहला आरआरटीएस जिसकी ट्रैक पर ट्रेन की औसत गति 100 किमी प्रति घंटा होगी और यात्री 50-60 मिनट में मेरठ पहुंच सकेंगे।

भूमिका:

- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए मल्टी-मोडल ट्रांजिट सिस्टम विकसित करने के लिए शहरी विकास मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में योजना आयोग द्वारा वर्ष 2005 में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था।
- क्षेत्रीय केंद्रों को जोड़ने वाले 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' (आरआरटीएस) पर विशेष जोर देने के साथ इसे एनसीआर 2032 के लिए एकीकृत परिवहन योजना में शामिल किया गया था।
- टास्क फोर्स ने 8 गलियारों की पहचान की और कार्यान्वयन के लिए तीन गलियारों को प्राथमिकता दी, अर्थात् दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-पानीपत और दिल्ली-अलवर।

आरआरटीएस के बारे में:

- 'रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' एनसीआर में क्षेत्रीय नोड्स को जोड़ने वाली एक नई, उच्च गति, उच्च क्षमता, आरामदायक कम्यूटर सेवा है।
- आरआरटीएस पारंपरिक रेलवे से भी अलग है क्योंकि यह अधिक विश्वसनीय है और उच्च गति के साथ अधिक चक्र पूरा करता है।

Yojna IAS

- आरआरटीएस मेट्रो से इस मायने में अलग है कि इसमें मेट्रो की तुलना में कम स्टॉप और उच्च गति है और अपेक्षाकृत लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की जरूरतों को पूरा करता है।

वांछित लाभ:

- पर्यावरण के अनुकूल: कॉरिडोर से कुल वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की तुलना में 5 लाख टन CO2 कम उत्सर्जित होने का अनुमान है, जिससे शहर स्वच्छ और रहने के लिए एक बेहतर जगह बन जाएगा।
- आर्थिक विकास: कॉरिडोर के साथ सार्वजनिक परिवहन के उपयोग का हिस्सा 37 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत होने का अनुमान है।
- हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र का संतुलित आर्थिक विकास होगा, जिससे समाज के सभी वर्गों और विकास के कई बिंदुओं को आर्थिक लाभ मिलेगा, न कि सभी आर्थिक गतिविधियों का एक ही स्थान पर होना।
- सतत शहरीकरण: यह परियोजना भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों में उच्च क्षमता वाले रैपिड अर्बन ट्रांजिट कॉरिडोर विकसित करने के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगी।
- यह एनसीआर में यातायात की भीड़ को कम करने और परिवहन क्षेत्र से समग्र उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा।

भारतीय अनार: बांग्लादेश

- बांग्लादेश पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अनार के निर्यात के लिए शीर्ष गंतव्य के रूप में उभरा है।
- पिछले वित्तीय वर्ष (2020-21) में भारत ने 68,502.9 टन फलों का निर्यात किया, जिसमें से 36,906.77 टन (50% से अधिक) बांग्लादेश को गया।

परिचय:

- अनार (पुनिका ग्रेनाटम) विश्व के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है।
- यह अर्ध-शुष्क परिस्थितियों में अच्छी तरह से बढ़ता है और इसे समुद्र तल से 500 मीटर की ऊंचाई तक उगाया जा सकता है। यह गर्म और शुष्क सर्दियों में अच्छी तरह से बढ़ता है, बशर्ते उपयुक्त सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध हों।
- अनार ज्यादातर महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात में उगाया जाता है, अनार राज्य के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में एक प्रमुख निर्यात फसल के रूप में उभरा है।
- पिछले कुछ वर्षों में भारतीय निर्यात लगभग 50,000-60,000 टन पर स्थिर रहा है, क्योंकि फलों की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देने से विकास क्षमता प्रभावित हुई है।
- जबकि यूरोपीय संघ एक प्रमुख बाजार है जहां फल प्रीमियम मूल्य प्राप्त करते हैं और उच्च गुणवत्ता नियंत्रण मानक रखते हैं।
- निर्यात के लिए तैयार फलों की अनुपलब्धता ने पिछले कुछ वर्षों में यूरोपीय बाजारों में भारतीय निर्यातकों के आकर्षण को कम कर दिया है।

Yojna IAS

बांग्लादेश में निर्यात वृद्धि के कारण:

- परिवहन में आसानी और अपेक्षाकृत आसान आयात मानदंडों ने भारतीय उत्पादकों को अपने फल बांग्लादेश ले जाने में मदद की है, भले ही यूरोपीय देशों को निर्यात के हिस्से में गिरावट आई है।
- इस फल को पूरे साल बांग्लादेश में निर्यात किया जा सकता है और इस प्रकार यूरोपीय लोग मौसम समाप्त होने पर भी अपनी उपज भेज सकते हैं।

लाला लाजपत राय

Yojna IAS

- **28** जनवरी **2022** को देश भर में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की जयंती मनाई गई।
- लाला लाजपत राय का जन्म **28** जनवरी, **1865** को पंजाब के फिरोजपुर जिले के 'धुडिके' नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था।
- लाला लाजपत राय भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की।

- वे स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रभावित थे और लाहौर में आर्य समाज में शामिल हो गए थे।
- बिपिन चंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक के साथ मिलकर उन्होंने चरमपंथी नेताओं की एक तिकड़ी (लाल-बाल-पाल) बनाई।
- उन्होंने वर्ष **1917** में अमेरिका में 'होम रूल लीग ऑफ अमेरिका' की स्थापना की और इसके माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नैतिक समर्थन मांगा।
- अकाल पीड़ितों की मदद करने और उन्हें मिशनरियों के चंगुल से बचाने के लिए उन्होंने वर्ष **1897** में 'हिंदू राहत आंदोलन' की स्थापना की। इसके अलावा उन्होंने वर्ष **1921** में 'जन समाज के सेवक' की स्थापना की।
- वे आर्य गजट के संपादक और संस्थापक थे। उन्होंने वर्ष **1894** में पंजाब नेशनल बैंक की आधारशिला भी रखी थी। उन्हें 'पंजाब केसरी' और 'पंजाब का शेर' भी कहा जाता था।

शौर्य चक्र: वीरता पुरस्कार

- 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, भारतीय सेना के छह कर्मियों को उनकी विशिष्ट सेवा के सम्मान में देश के तीसरे सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।
- इनमें से पांच को मरणोपरांत सम्मानित किया गया है।
- गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वर्ष में दो बार 'वीरता पुरस्कार' की घोषणा की जाती है।

भारत में वीरता पुरस्कार:

- स्वतंत्रता के बाद, प्रारंभिक तीन वीरता पुरस्कार – परम वीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी 1950 को स्थापित किए गए थे, जिन्हें 15 अगस्त 1947 से प्रभावी माना गया था।
- इसके बाद, वर्ष 1952 में, अन्य तीन वीरता पुरस्कार – 'अशोक चक्र वर्ग-I', 'अशोक चक्र वर्ग-II' और 'अशोक चक्र वर्ग-III' स्थापित किए गए, जिन्हें 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माना गया।
- जनवरी 1967 में इन पुरस्कारों के नाम बदलकर क्रमश: अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र कर दिया गया।
- इन पुरस्कारों का प्राथमिकता क्रम है- परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र।

पुरस्कार के लिए पात्र लोग:

- थल सेना, नौसेना और वायु सेना या किसी रिजर्व बल, प्रादेशिक सेना और कानूनी रूप से गठित किसी अन्य सशस्त्र बल के सभी रैंकों के सभी अधिकारी इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं।
- उपर्युक्त कर्मियों के अलावा, मैट्रन, नर्स, नर्सिंग सेवाओं के कर्मचारी और अस्पतालों और नर्सिंग सेवाओं के कर्मचारी, नियमित या अस्थायी भी इसके लिए पात्र हैं।

Yojna IAS

सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार:

परम वीर चक्र:

- यह भारत का सर्वोच्च सैन्य अलंकरण है, जो युद्ध के दौरान (चाहे जमीन पर, समुद्र में या हवा में) वीरता के विशिष्ट कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए दिया जाता है।

महावीर चक्र:

- यह जमीन पर, समुद्र में या हवा में दुश्मन की उपस्थिति में विशिष्ट वीरता के कार्यों के लिए दूसरा सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है।

वीर चक्र:

- परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद यह देश का तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है।

सर्वोच्च शांतिकाल वीरता पुरस्कार:

अशोक चक्र:

- शांतिकाल के दौरान वीरता, साहसी कार्रवाई या बलिदान के लिए यह सर्वोच्च सैन्य पुरस्कार है।
- यह शांति काल में विशिष्ट वीरता या साहस या वीरता या आत्म-बलिदान के किसी अन्य कार्य के लिए दिया जाता है।

कीर्ति चक्र:

Yojna IAS

- यह दूसरा सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है और शांति काल में साहसी कार्य या आत्म-बलिदान के लिए दिया जाता है।

शौर्य चक्र:

- यह असाधारण वीरता के लिए सशस्त्र बलों के कर्मियों को प्रदान किया जाता है।

अन्य पुरस्कार:

सेना पदक:

- यह सेना में असाधारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए दिया जाता है।

नौसेना पदक:

- यह नौसेना में कर्तव्य या साहस के प्रति असाधारण समर्पण के व्यक्तिगत कृत्यों के लिए दिया जाता है।

वायु सेना पदक:

- यह पुरस्कार कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण या वायु सेना में साहस के व्यक्तिगत कार्यों के लिए दिया जाता है।

Swadeep Kumar

Yojna IAS